1971 के युद्ध में बिना साइलेंसर के ट्रैक्टरों को टैंक समझ डर गया था पाक

- 1971 में बॉर्डर पर पाक सैनिकों व टैंकों का भारी जमावड़ा देख नग्गी गांव के लोगों ने सूझबूझ से काम लिया। पहले उन्होंने बीएसएफ की पेट्रोलिंग पार्टी को पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ की जानकारी दी। इसके बाद गांव में मौजूद ट्रैक्टरों के साइलेंसर निकाल लिए। क्योंकि बिना साइलेंसर के ट्रैक्टर भी टैंक की तरह आवाज करता था, इसके बाद तेज आवाज में ट्रैक्टर गांव में घुमाए
- गांव वालों की ये तरकीब काम कर गई। पाकिस्तानी फौज ने बिना साइलेंसर के ट्रैक्टरों की आवाज को टैंक की आवाज समझा और आगे नहीं बढ़े। तब तक भारतीय सेना ने आकर यहां मोर्चा संभाल लिया था

श्रीगंगानगर, (कासं)। पाकिस्तान ने सीज फायर का उल्लंघन किया। कई इलाकों में ड्रोन भेजे। इस बार ही नहीं 1971 की जंग में भी पाकिस्तान ने धोखे से वार किया था। 1971 के युद्ध में बिना साइलेंसर के ट्रैक्टरों को टैंक समझकर पाकिस्तान डर गया था।

16 दिसम्बर 1971 के दिन पाकिस्तान ने भारत के सामने घुटने टेके थे। उसकी फौज ने ढाका के रमना रेस कोर्स ग्राउंड पर भारतीय सेना के सामने सरेंडर कर दिया था। दोनों देशों में सीज फायर भी हो गया था। सीज फायर के 10 दिन बाद पाकिस्तान ने फन उठाया और इतिहास में दर्ज हुआ बैटल ऑफ नग्गी। भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान की ये कहानी श्रीगंगानगर जिले में जीरो लाइन बॉर्डर पर बसे नग्गी गांव की है। भारत-पाक के बीच 1971 में हुए युद्ध को समाप्त हुए 10 दिन बीत चुके थे।

सीमा पर तैनात इंडियन आर्मी वापस अपने कैम्पों में लौट चुकी थी। बॉर्डर पर सब कुछ सामान्य हो गया था लेकिन सरहद के उस पार पाकिस्तान धोखे से हमला करने की साजिश रच रहा था। 24 और 25 दिसम्बर 1971 की रात अचानक बड़ी संख्या में पाकिस्तान की 36 फ्रंटियर फोर्स के सैनिक तोप, टैंक और हथियारों के साथ भारतीय सीमा में दो किलोमीटर अंदर तक घुस गए।

जल्दी ही वो नग्गी सहित दूसरे भारतीय गांवों में पहुंचने वाले थे। बॉर्डर पर पाक सैनिकों व टैंकों का भारी जमावड़ा देख नग्गी गांव के लोगों ने बिना घबराये सूझबूझ से काम लिया। पहले उन्होंने बीएसएफ की पेट्रोलिंग पार्टी को पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ की जानकारी दी। इसके बाद गांव में मौजूद ट्रैक्टरों के साइलेंसर निकाल लिए। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि बिना साइलेंसर के ट्रैक्टर भी टैंक की तरह आवाज करता था। इसके बाद तेज आवाज में ट्रैक्टर गांव में घुमाए।

गांववालों की ये तरकीब काम कर गई। पाकिस्तानी फौज ने बिना साइलेंसर के ट्रैक्टरों की आवाज को टैंक की आवाज समझा और आगे नहीं बढ़ पाए। तब तक भारतीय सेना ने आकर यहां मोर्चा संभाल लिया था। भारतीय सेना की 4 बटालियन पैराशूट रेजिमेंट, 1 स्क्वाड्रन और 18 केवलरी के साथ ही 9 पैराफील्ड रेजिमेंट को दुश्मन सेना को यहां से खदेड़ने और भारतीय इलाके पर दुबारा से कंट्रोल हासिल करने का काम सौंपा गया था। 27 दिसंबर 1971 को भारतीय जवानों ने एक साथ पाकिस्तानी फौज पर हमला शुरू करने का फैसला कर लिया।

भारतीय सेना ने पूरी प्लानिंग के साथ 27 और 28 दिसम्बर की रात में सुबह 4 बजे कंपनी कमांडर मेजर वी.के. बेरी की कमान में हमला बोल दिया। पाकिस्तानी फौज को हमले की आशंका थी और इसके चलते उन्होंने पहले ही इस इलाके की मजबूत किलेबंदी कर दी थी। उन्होंने इस इलाके में जगह-जगह अंडर ग्राउंड माइंस बिछा दिए थे। ऐसे में भारतीय सेना का आगे बढ़ा हर एक कदम जानलेवा साबित हो रहा था। जैसे ही भारतीय सेना के जवान यहां इन रेतीले धोरों के पास पहुंचे, उन्हें पाकिस्तान की भारी तोपों का सामना करना पड़ा।

एक तरफ मशीन गन से फायरिंग और तोप के गोले दागे जा रहे थे। दूसरी तरफ आगे बढ़ते ही अंडर ग्राउंड माइंस में विस्फोट हो रहा था। बावजूद इसके भारतीय जवानों ने असाधारण शौर्य का प्रदर्शन किया और अपनी जमीन पर डटे रहे। भारतीय सेना की 9 पैरा फील्ड रेजिमेंट ने पाक फौज के तोपखाने की बौछार का उसी भाषा में जवाब दिया।

वहीं भारतीय सेना की कोर ऑफ इंजीनियर्स की 410 फील्ड कंपनी ने 4 पैरा के सैनिकों के साथ मिलकर एक-एक कर पाक सेना द्वारा बिछाई गई अंडर ग्राउंड माइंस और दूसरी मुश्किलों को साफ किया।

भारतीय फौज के अद्भुत शौर्य और अतुलनीय पराक्रम के आगे पाकिस्तानी फौज महज दो घंटों में ही पस्त हो गई। इस युद्ध में हुए भारी नुकसान के बाद पाक सैनिक पीछे भाग छूटे। अंत में 28 दिसम्बर 1971 को सुबह 6 बजे भारतीय सेना ने नग्गी सैंड ड्यून पर तिरंगा लहरा दिया। हालांकि, युद्ध के दौरान भारतीय सेना के 3 अधिकारी और 4 पैरा के 17 भारतीय जवानों और 9 पैरा के एक भारतीय जवान शहीद हो गए।

इस युद्ध में शहीद हुए भारतीय रणबांकुरों की याद में भारतीय सेना ने यहां एक विजय स्मारक बनाया हुआ है। भारत पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा से महज पांच सौ फीट दूर यह स्मारक आज भी उन वीरों की याद दिलाता है। यह लड़ाई भारतीय सेना के इतिहास में 'बैटल ऑफ नग्गी' के नाम से दर्ज है। हर साल यहां 28 दिसम्बर को यहां आस-पास के लोग और भारतीय सेना इसे नग्गी डे के रूप में मनाती है। नग्गी युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों की याद में बने विजय स्मारक परिसर में ही माता का मंदिर भी बना हुआ है। पुजारी मोहनलाल ने बताया कि इस मंदिर और माता की कहानी भी इसी युद्ध से जुडी हुई है। किवंदती है कि इस युद्ध में लड़ रहे भारतीय सेना के जवानों को माता ने बताया था कि आगे कहां-कहां अंडर ग्राउंड माइंस बिछी है।

इससे युद्ध में लड़ रहे भारतीय सेना के अफसरों और जवानों की यहां माता में अटूट आस्था हो गई थी। उन्होंने ही तब यहां छोटा सा मंदिर बना दिया था। इसके बाद ग्रामीणों और सेना के सहयोग से ये मंदिर भव्य बन गया है। यहां भारतीय सेना का इस युद्ध से जुड़ा म्यूजियम भी बना हुआ है।

नग्गी के ग्रामीण 1971 की जंग की तरह ही इंडियन आर्मी की फिर से मदद को तैयार हैं। माता के मंदिर के पुजारी मोहनलाल ने साल 1971 के युद्ध का जिक्र करते हुए बताया कि उस समय पाक ने गांव नग्गी में कई बम गिराए गए लेकिन यहां के लोग गांव छोड़कर नहीं भागे।

इनामी बदमाश सहित तीन गिरफ्तार

सूरतगढ़, (कासं)। सदर थाना पुलिस ने अवैध हथियार के मामले में तीन अलग-अलग बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 हजार रूपये के इनामी आरोपी सहित तीन जनों को गिरफ्तार किया है। इनसे 2 अवैध देशी पिस्तौल व 5 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने देर शाम बताया कि विशेष अभियान के तहत सदर सीआई रामकुमार लेघा के नेतृत्व में ये कार्रवाई की गई है। गश्त के दौरान विशाल कुमार (25) निवासी घमंडिया के कब्जे से एक अवैध देशी पिस्तौल व तीन जिंदा कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान सहायक उप निरीक्षक सोहनलाल के सुपुर्द किया गया है।

इसी तरह दूसरी कार्रवाई में मोहम्मद बक्स उर्फ शहंशाह उर्फ मम्मा (48) निवासी वार्ड नं. 3 सरदारगढ को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध देशी पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस बरामद कर बरामद किए। उसके खिलाफ भी आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान हवलदार रामकुमार को सौंपा गया है।

वहीं सिटी थाने में एनडीपीएस एक्ट के दर्ज दो वर्ष पुराने में वांछित व जिला पुलिस अधीक्षक बीकानेर की ओर से घोषित दस हजार रूपए के इनामी आरोपी किशन उर्फ श्रवण (46) निवासी गजसुखदेसर पुलिस थाना जसरासर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वह काफी समय से फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सार-समाचार

शिविर में 47 यूनिट रक्तदान

संजय जैन व रजत रांका ने रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया।

बीकानेर, (कासं)। सेवा ही धर्म है इसी सोच को साकार करते हुए अपेक्स हॉस्पिटल रानी बाजार में सोमवार को एक प्रेरणादायक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 47 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। जो ज़रूरतमंद मरीजों के जीवन में उम्मीद की किरण बनेगा। शिविर का शुभारंभ बीकानेर व्यापार उद्योग मंडल के सचिव संजय जैन सांड एवम हॉस्पिटल के चिकित्सकों डॉ रजत रांका, डॉ अतुल तिवारी व डॉ सचिन चांडक और डॉ ऋषभ कोचर द्वारा स्वयं रक्तदान करके किया गया। इस अवसर पर व्यापार मंडल के सचिव संजय सांड जैन ने कहा कि रक्तदान का यह कार्य न केवल मानवता का एक बड़ा उदाहरण बनाए बल्कि यहां मौजूद सभी प्रतिभागियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बना हैं। शिविर में नर्सिंग इंचार्ज अशरफ अली ऑपरेशन टीम की वर्षा और सलीम आईसीयू इंचार्ज अशोक और राधेश्याम मार्केटिंग टीम के विनोद वर्मा और सलीम चिश्ती सहित पूरी अपेक्स टीम ने पूरी निष्ठा के साथ शिविर में योगदान दिया। रक्तदान शिविर में युवाओं के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिससे यह कार्यक्रम सामाजिक समर्पण और मानवता की मिसाल बन गया। अपेक्स हॉस्पिटल बीकानेर ने सभी रक्तदाताओं और सहयोगियों का हार्दिक आभार प्रकट किया और भविष्य में भी इसी प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता और सेवा कार्यक्रमों को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

गायों की सेवा कर जन्मदिन मनाया

स्काउट-गाइड प्रदेशाध्यक्ष एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के जन्मदिवस पर गौशाला में गायों को चारा डाला।

बीकानेर, (कासं)। हिन्दुस्तान स्काउट एण्ड गाइड राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय बीकानेर के द्वारा शिक्षा एवं पंचायती राजमंत्री एवं संगठन के प्रदेशाध्यक्ष मदन दिलावर का जन्म दिवस तेजस उत्सव के रूप में मनाया। जिला ऑर्गेनाइजर स्काउट संदीप मांझू ने बताया कि तेजस उत्सव पर बीकानेर में स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने उत्साह के साथ गौशालाओं में गायों के सेवा की चारा डाला। जिला ट्रेनर मनोहर लाल ने बताया कि उनकी टीम के द्वारा गोकुल धाम गौशाला में सेवा करके खुशी मिली। जिला ट्रेनर जश्नप्रीत कौर ने बताया कि उनकी टीम के द्वारा श्री गंगा जुबली पिंजरा गौशाला में गोवंश की सेवा करके मन में आनन्द मिला। जिला सचिव कार्यक्रम प्रभारी रामेन्द्र हर्ष ने बताया कि इस अवसर बीकानेर की अलग अलग जगहों पर सेवा कार्य किया गया। सुन्दर गोकुंज गौशाला, परिवाल गौशाला, मुरली मनोहर गौशाला, मधुबन गौशाला में रोवर राकेश, सूरज गोस्वामी, सुशील ओझा, संदीप व रेंजर डाली, ज्योति, अंजली उपाध्याय, करूणा, अंकिता, कोमल, मोहित, संध्या, मोहिता, प्रीती, अनुष्का, वसुन्धरा ने अपनी सेवाएं दी व परिंडे लगाये।

शिक्षकों ने मायरा भरा

श्रीडूंगरगढ़, (कासं)। श्रीडूंगरगढ़ कस्बे के मोमासर बास निवासी अमित वाल्मीकि ने मोहल्ले की निरमा वाल्मीकि की आर्थिक स्थिति को लेकर जानकारी साझा की। जिसके बाद समाज के युवाओं और शिक्षकों ने आगे बढ़कर मदद का हाथ बढ़ाया। निरमा की मां का वर्षों पहले निधन हो चुका था और कुछ समय पहले ही उसके नानाजी का भी स्वर्गवास हो गया। वह अपने ननिहाल में रह रही थी और परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर थी। इस संबंध में शिक्षक रमेश शर्मा को पता चली तो उन्होंने विद्यालय के स्टाफ और अपने मित्रों को इस नेक कार्य के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य विमला गुर्जर शिक्षक महावीर प्रसाद सारस्वत, पवन गोयतान, मुरलीधर स्वामी, सीताराम जाट, श्रवण पूनियां, रामावतार शर्मा व कृषि अधिकारी डॉ. कन्हैयालाल सारस्वत, शहर के युवा घनश्याम सारस्वत, शिवप्रसाद तावणियां, हरिओम तावणियां, आपणो गांव सेवा समिति के शूरवीर मोदी, सहित अनेक लोगों के साथ मिलकर निरमा का मायरा भरा और उसके भाई होने का फर्ज अदा किया।

पी.एच.सी. का शिलान्यास आज

बीकानेर, (कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा मंगलवार को लूणकरनसर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। वे यहां विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। गोदारा प्रातः 11 बजे मगजी की ढाणी में 34 लाख की लागत से खिचिया से मगजी की ढाणी तक बनी 1.7 किलोमीटर सड़क का लोकार्पण करेंगे। दोपहर 12 बजे डांडूसर में उप स्वास्थ्य केन्द्र का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद दोपहर 1 बजे लाडेरा में 50 लाख रूपए की लागत से मालासर से लाडेरा तक बनी सड़क तथा दोपहर 3 बजे बन्धा में 66 लाख रूपए की लागत से बंधा से उड़ाना जोहड़ तक बनी 3.3 किमी सड़क का लोकार्पण करेंगे। गोदारा सायं 5 बजे रूणिया बड़ा बास में 33 व 11 केवी जीएसएस का लोकार्पण करेंगे।

सिलेंडर धमाके में घायल युवक और बुजुर्ग ने भी तोड़ा दम

- बीकानेर के मदान मार्केट में हुए सिलेंडर धमाके में अब तक 11 की मौत, दो पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती

बीकानेर, (कासं)। यहां मदान मार्केट में सिलेंडर धमाके में घायल दो जनों की रविवार और सोमवार को मौत हो गई। हादसे में अब कुल 11 मौत हो गई हैं। वहीं दो घायलों का इलाज पीबीएम हॉस्पिटल में चल रहा है।

सिटी कोतवाली थाने के ठीक सामने स्थित मदान मार्केट में हादसे के तुरंत बाद तीन शव मलबे से निकाले गए थे। वहीं पांच लोगों के शव अगले दिन निकले थे। इसके बाद पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती घायलों में तीन ने दम तोड़ दिया था। शनिवार को सुशील सोनी (62) पुत्र जयप्रकाश सोनी उकी मौत हो गई। सुशील रामपुरा बस्ती में रहते थे और यहां काम करते थे। वहीं सोमवार को समीर पुत्र रमजान अली की मौत हो गई। महज 18 साल के समीर बड़ा बाजार के उस्ता मोहल्ले में रहने वाले थे। समीर यहां काम सीख रहा था। हादसे में घायल होने के बाद उसे पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती किया गया था। इलाज के दौरान उसकी हालत बिगड़ती चली गई और सोमवार सुबह दम तोड़ दिया।

हॉस्पिटल से सुभाष पुत्र रविंद्र निवासी दाऊजी रोड और दीपक मांझी (39) निवासी खटीकों का मोहल्ला को छुट्टी दी जा चुकी है। जबकि उत्तम सोनी निवासी देशनोक और विनोद सोनी निवासी देशनोक का इलाज चल रहा है। असलम अली, सलमान उर्फ शेख बकीउल्ला, सचिन कुमार सोनी, किशन सोनी, रामकिशन सोनी, रामस्वरूप सोनी, लालचंद सोनी, असलम मलिक, शेख अयान अंसारी, सुशील सोनी, समीर अली शामिल है।

सड़क हादसे में वृद्ध की मौत : श्रीडूंगरगढ़ के मोमासर बास में एक वृद्ध की दुर्घटना में मौत हो गई। ये वृद्ध बाइक पर जा रहा था कि रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उसके सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई। घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक उसने दम तोड़ दिया। मोमासर बास के 60 वर्षीय बुजुर्ग अपने काम से निकटवर्ती गांव धोलिया जा रहे थे। परिजनों ने पुलिस को बताया कि अज्ञात वाहन ने मालाराम पुत्र मूलाराम प्रजापत की बाइक को जोर से टक्कर मार दी जिससे वो गिर गए। घायल को उपजिला अस्पताल अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया। मृतक का शव मोर्चरी में रखवाया गया है। ड्यूटी ऑफिसर रामावतार अस्पताल पहुंच गए है। परिजनों की रिपोर्ट के बाद शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों के सुपुर्द किया जायेगा।

अधूरा नाला बना मुसीबत

बीकानेर, (कासं)। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नं. 67 भंडार में पिछले एक वर्ष से अधूरा छोड़ा गया गंदे पानी का नाला अब स्थानीय निवासियों के लिए गंभीर मुसीबत बन गया है। नाले के रिसाव के कारण विनोबा स्टेडियम की दीवार गिर चुकी है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

सामाजिक संगठनों ने इसे तुरंत बनाने की मांग की है। विशेष रूप से वाल्मीकि समाज के लोग नारकीय हालात में जीवन बिता रहे हैं। नाले के लगातार रिसाव ने विनोबा स्टेडियम की एक तरफ की करीब 125 फीट लम्बी दीवार को गिरा दिया। यह घटना रात में हुई, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन दिन में यह हादसा होता तो बड़ी त्रासदी हो सकती थी। स्थानीय लोगों ने केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, पूर्व विधायक सिद्धि कुमारी, जिला प्रशासन, न्यास व नगर निगम को पत्र भेजकर तुरंत मरम्मत की मांग की गई है। सामाजिक कार्यकर्ता राकेश सियोता और अनूप जावा ने बताया कि गंदे पानी के कारण उनके मकान भी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।

चना 5671 व 5832 रूपए प्रति क्विंटल बिकी

- यह भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य 5440 रूपए से अधिक है, इससे किसानों में संतोष देखा गया

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले की कृषि उपज मंडी में रबी सीजन की चने की नई फसल आना शुरू हो गई है। आज मंडी में चने का अधिकतम भाव 5671 रूपए प्रति क्विंटल रहा। न्यूनतम 5150 और औसत रूपए 5601 दर्ज किया गया।

प्रमुख रूप से 5671, 5655, 5650, 5626 और 5611 रूपए के भाव पर व्यापार हुआ। यह भाव केन्द्र सरकार के न्यूनतम समर्थन मूल्य 5440 रूपए से अधिक है। इससे किसानों में संतोष देखा गया। चना जिले में मुख्य रूप से रायसिंहनगर, सूरतगढ़, करणपुर, पदमपुर और गजसिंह पुर क्षेत्रों में बोया जाता है। चने की फसल उन्हीं क्षेत्रों में होती है, जहां रबी सीजन में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है।

कृषि विभाग के अनुसार इस बार मौसम अनुकूल रहा। इससे उत्पादन बढ़ने की संभावना है। जिले में कुल बुवाई का आंकड़ा अभी नहीं आया है। फिर भी अनुमान है कि फसल अच्छी रही है। मंडी में आवक धीरे-धीरे बढ़ रही है। व्यापारियों का कहना है कि मौसम अनुकूल रहा तो आवक और बढ़ेगी। इससे मंडी में कारोबार तेज होगा। किसानों को अच्छे दाम मिलने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। मंडी में अन्य फसलों के भाव भी स्थिर हैं। आज गेहूं का औसत भाव 2511 और सरसों का 5832 रूपए प्रति क्विंटल रहा। व्यापारियों का कहना है कि यदि भाव और आवक इसी तरह बनी रही तो चना व्यापार मजबूत होगा। किसानों को समय पर भुगतान मिलेगा। इससे उनका मंडी व्यवस्था पर भरोसा बढ़ेगा।

पेट्रोल पंप लूट का तीसरा आरोपी गिरफ्तार

- चार साथियों के साथ मिलकर की थी लूट, जसरासर पुलिस ने तीन को दबोचा

नोखा, (कासं)। जसरासर थाना पुलिस ने पेट्रोल पंप लूट के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी अर्जुन (19) गजनेर का रहने वाला है। उस पर पूर्व में लूट और चोरी के 18 मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देश पर वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत ये कार्रवाई की गई।

थानाधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि मामला 11 अप्रैल का है। आरोपी ने अपने चार साथियों के साथ बिना नंबर की स्विफ्ट कार से कई पेट्रोल पंपों पर लूट की वारदातें की। पहले श्रीबालाजी थाना क्षेत्र के गंठीलासर गांव के पेट्रोल पंप पर लूट का प्रयास किया। सेल्समैन की सतर्कता से वहां असफल रहे। इसके बाद बीकानेर-नागौर राजमार्ग पर चरकड़ा गांव के पेट्रोल पंप से रूपए और मोबाइल लूटे। बदमाशों ने नोखा, मुकाम और काकड़ा होते हुए जसरासर के जसनाथ पेट्रोल पंप पर भी लूट की। फिर उड़सर कैम्प झाड़ेली और मैनसर पेट्रोल पंप पर वारदात की। लालगढ़ पेट्रोल पंप पर भी लूट की। जोगलसर में पेट्रोल पंप का शीशा तोड़ा, लेकिन सुबह होने के कारण भाग गए।

सुमित गोदारा 14 को करेंगे जन सुनवाई

बीकानेर, (कासं)। भाजपा संभाग कार्यालय में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामलात केबिनेट मंत्री सुमित गोदारा 14 मई को जनसुनवाई करेंगे।

मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि बीकानेर शहर में भाजपा संभाग कार्यालय में 14 मई को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जनसुनवाई का कार्यक्रम रखा गया है जिसमें आमजन की समस्याओं को सुना जायेगा और परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण किया जायेगा। गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में गुड गवर्नेंस के मॉडल में जनसेवा सर्वोपरि है। राज्य सरकार आमजन को बेहतर सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पदमपुर में बेसहारों का सहारा बनी हर प्रभ आसरा संस्था

- 650 शारीरिक व मानसिक निशक्तों का जनसहयोग से हो रहा है पालन-पोषण

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के पदमपुर क्षेत्र के गांव 41 आरबी में 13 वर्षों से संचालित संस्था हर प्रभ आसरा शारीरिक व मानसिक निशक्तजनों को नई जिंदगी दे रहा है। खास बात यह है कि यहां ऐसे लोगों की सार-संभाल हो रही है, जो खुद पर नियंत्रण नहीं कर पाते हैं। हर प्रभ आसरा सेवा समिति के प्रयासों से अब तक 600 लोग सामान्य हो चुके हैं। जिन्हें स्वस्थ कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया जा चुका है।

यहां श्रीगंगानगर या राजस्थान ही नहीं देशभर के 280 महिलाओं सहित 650 ऐसे ही लोगों का जनसहयोग से पालन-पोषण हो रहा है। संस्था के संस्थापक संचालक श्रीकरणपुर के चक 21 एच निवासी हरिसिंह खालसा बताते हैं कि माता बलवीर कौर की सेवा भावना से प्रेरित होकर उन्होंने परिवार से बिछुड़ जाने वाले मानसिक व शारीरिक निशक्तजनों की सेवा का संकल्प लिया। संस्था की शुरूआत 20 अगस्त 2011 को एक बेसहारा निशक्त व्यक्ति गरीब की सेवा से की गई। संस्था जिला प्रशासन के अलावा कई बार उच्च स्तर से सम्मानित हो चुकी है।

संस्था की ओर से ऐसे लोगों के लिए एक एनआरआई सरां (भवन) का निर्माण करवाया जा रहा है। यहां पर ऐसे लोगों को आश्रय दिया जायेगा जिनके बच्चे विदेशों में चले गए और बुजुर्ग माता-पिता घर पर अकेले हैं। ऐसे लोगों को घर में अकेलापन महसूस नहीं होने की बजाय भरा पूरा परिवार मिले। संस्था की ओर से मानव सेवा ही नहीं गौसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में भी कार्य किया जा रहा है। संस्था के पास इस समय कुल 24 बीघा जमीन है। इसमें से 3 बीघा में गौशाला का संचालन किया जा रहा है। गौशाला में करीब 250 पशुओं का पालन-पोषण हो रहा है। यही नहीं संस्था की ओर से उच्च प्राथमिक स्तर तक स्कूल भी संचालित किया जा रहा है।

श्रीगंगानगर में ब्लैक आउट के बाद हालात सामान्य, स्कूल-कॉलेज आज भी बंद

- सोमवार सुबह जनजीवन सामान्य नजर आया। सड़कों पर यातायात शुरू हुआ, चाय की थड़ियों पर लोग जुटे
- बस स्टैंड के पास भी आम दिनों जैसी चहल-पहल दिखाई दी, लोग सतर्क दिखाई दिए और अपने रोजमर्रा से जुड़े हुए कार्यों में व्यस्त दिखाई दिए

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में जिला प्रशासन ने ऐहतियातन ब्लैक आउट के निर्देश जारी किए। जिलेवासियों ने इसका व्यापक स्तर पर पालन किया। बिजली आपूर्ति सामान्य रही लेकिन लोगों ने घरों की लाइटें बंद रखीं। रात के समय शहर में अंधेरा छाया रहा। माहौल शांतिपूर्ण रहा।

प्रशासन ने सीमावर्ती जिले की संवेदनशीलता को देखते हुए सूर्योदय तक ब्लैक आउट लागू किया। अपील की गई कि लोग लाइटें बंद रखें और अफवाहों से बचें। हालांकि जिले भर में बिजली सप्लाई शुरू थी। सीमावर्ती इलाकों में किसी हलचल की सूचना नहीं मिली। हालात पूरी तरह सामान्य रहे। श्रीगंगानगर में जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने आदेश जारी किए हैं। इसके तहत श्रीगंगानगर, श्रीकरणपुर, रायसिंहनगर, अनूपगढ़ और घड़साना उपखंडों में सीमा से सटे 3 किलोमीटर क्षेत्र में विशेष प्रतिबंध लगाये गए हैं। रात 7 बजे से सुबह 6 बजे तक कोई भी व्यक्ति इस प्रतिबंधित क्षेत्र में आ-जा नहीं सकेगा। सीमावर्ती खेतों में कृषि कार्य के लिए जाना तभी संभव होगा, जब व्यक्ति के पास सीमा सुरक्षा बल, सेना या प्रशासनिक अधिकारी की अनुमति होगी। इस दौरान किसी प्रकार की लाइट, टॉर्च या वाहन की हैडलाइट जलाने पर भी रोक रहेगी। तेज रोशनी, तेज आवाज, लाउड स्पीकर, बैंड, डीजे या किसी भी ध्वनि यंत्र का उपयोग पूरी तरह वर्जित रहेगा। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया

ऐहतियातन जिले के सभी स्कूल, कॉलेज और आंगनबाड़ी केन्द्रों में विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया गया है। शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। उन्हें संस्थानों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। किसी भी सूचना पर तुरंत अधिकारियों को जानकारी देने को कहा गया है। सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। पुलिस और सुरक्षा बल लगातार गश्त कर रहे हैं।

कलेक्टर और एसपी खुद हालात की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारी फील्ड में सक्रिय हैं। श्रीगंगानगर जिले में सन्नाटा रहा। सोमवार सुबह जनजीवन सामान्य नजर आया। सड़कों पर यातायात शुरू हुआ। चाय की थड़ियों पर लोग जुटे। बस स्टैंड के पास भी आम दिनों जैसी चहल-पहल दिखी। लोग सतर्क दिखाई दिए और अपने रोजमर्रा से जुड़े हुए कार्यों में व्यस्त दिखाई दिए।

अनूपगढ़ में 2 नए इमरजेंसी सायरन लगे : अनूपगढ़ शहर में आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए प्रशासन ने दो नए इमरजेंसी सायरन यंत्र लगाए हैं। ये सायरन एसडीएम कोर्ट परिसर और वार्ड नंबर 29 में स्थापित किए गए हैं। नगर परिषद कार्यालय के पास स्थित कुएं पर पहले से एक सायरन कार्यरत है। एसडीएम सुरेश राव के अनुसार नए लगाए गए सायरन 3 से 4 किलोमीटर के दायरे में सुनाई देंगे।

ये सायरन केवल चेतावनी के उद्देश्य से लगाए गए हैं। वर्तमान में कोई विशेष चिंता की स्थिति नहीं है। प्रशासन का कहना है कि शहर का क्षेत्रफल बढ़ने और आवासीय विस्तार को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। इससे सायरन की आवाज शहर के हर कोने तक पहुंच सकेगी।

यह व्यवस्था प्राकृतिक आपदा, अग्निकांड या अन्य आपातकालीन स्थितियों में नागरिकों को सतर्क करने में मदद करेगी। प्रशासन ने जनता से अपील की है कि सायरन बजने पर घबराएं नहीं। प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें और अफवाहों से दूर रहें।

बॉर्डर सीमा से तीन किलोमीटर पट्टी में प्रतिबंध

श्रीगंगानगर, (कासं)। भारत-पाक अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से घुसपैठ एवं राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से जन-सुरक्षा एवं शांति भंग की आशंका होने व राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिगत जिला मजिस्ट्रेट श्रीगंगानगर मंजू द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपखण्ड श्रीगंगानगर श्रीकरणपुर, रायसिंहनगर, अनूपगढ व घडसाना से लगती हुई भारत-पाक अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से तीन किलोमीटर पट्टी में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं।

आदेश के अनुसार सायं 7 बजे से प्रातः 6 बजे तक उक्त क्षेत्र में कोई व्यक्ति आवागमन नहीं कर सकेगा। यदि किसी कृषक को अपनी कृषि भूमि में सिंचाई व्यवस्था के लिए जाना अनिवार्य हो तो वह उस क्षेत्र में स्थित सीमा सुरक्षा बल के बॉर्डर पोस्ट अधिकारी सेना के अधिकारी से अनुमति प्राप्त कर आवागमन कर सकेगा।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्र. :- नियमन/2025/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 12.5.2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 64 के किला नं. 22 में भूखण्ड माप 25'' गुणा 60'-0'' फीट के नियमन / पटटा हेतु आवेदक श्रीमती मालती देवी मौर्य पत्नी श्री रामधन मौर्य निवासी, 150 डी सेतिया कॉलोनी गली नं. 05 श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाता है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्रीमती मालती देवी मौर्य पत्नी श्री रामधन मौर्य निवासी, 150 डी सेतिया कॉलोनी गली नं. 05 श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 64 के किला नं. 22 में भूखण्ड माप 25'' गुणा 60'-0'' फीट का नियमन / पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।

– सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

प्रारूप-10(नियम6(7)देखिए)
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका सूरतगढ़
क्रमांक:313 दिनांक:12.5.25
लोक सूचना

श्रीमती संजू देवी पत्नी श्री अनिल कुमार जाति अग्रवाल निवासी वार्ड नंबर21, सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर कि निचे अल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन(गोदाम) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	भूमि स्थान	क्षेत्र
तहसील सूरतगढ	ग्राम35पी.बी.एन	पत्थर नंबर 29/378का किला नंबर8/0.2530हैक्टेयर13/0..25318/0.253,23/1 में 0.228हैक्टेयर	0.987हैक्टेयर यानि 9870वर्गमीटर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी नगरपालिका सूरतगढ